भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3140 का उत्तर

अंगमाली-एरुमेली सबरी रेल परियोजना के लिए वित्तपोषण

3140. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केरल अंगमाली-एरुमेली सबरी रेल परियोजना की लागत का 50 प्रतिशत वहन करने के लिए सहमत हो गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत में यह पहला उदाहरण है जहाँ किसी राज्य सरकार ने रेल परियोजना के वित्तपोषण की जिम्मेदारी ली है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस तथ्य के आलोक में कि राज्य सरकार परियोजना लागत का 50 प्रतिशत वहन करने के लिए तैयार है, रेल मंत्रालय द्वारा परियोजना के निष्पादन के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): एरुमेली के रास्ते अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन परियोजना को वर्ष 1997-98 में स्वीकृति दी गई थी। अंगमालि-कालडि (7 कि.मी.) पर कार्य और कालडि-पेरुम्बवूर (10 कि.मी.) पर लंबे समय तक चलने वाले कार्य शुरू कर दिए गए थे। बहरहाल, भूमि अधिग्रहण और लाइन के संरेखण निर्धारण के विरुद्ध जनता के विरोध, परियोजना के विरूद्ध दायर अदालती मामलों

और केरल राज्य सरकार से अपर्याप्त सहयोग के कारण इस परियोजना को शुरू नहीं किया जा सका। इसलिए, परियोजना आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

एरुमेली के रास्ते अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन परियोजना की अनुमानित अद्यतन लागत 3,801 करोड़ रुपए को अनुमान की स्वीकृति और परियोजना की लागत साझा करने की सम्मति के लिए केरल सरकार को प्रस्तुत किया गया था।

अगस्त, 2024 में, केरल सरकार ने अपनी सशर्त सहमति प्रदान की। रेलवे ने केरल सरकार से लागत में साझेदारी करने के लिए बिना शर्त सहमति देने का अनुरोध किया था।

तत्कालीन रेल मंत्री ने केरल के मुख्यमंत्री से परियोजना की लागत में उनके 50% हिस्से का उपयोग करके भूमि अधिगृहीत करने का अनुरोध किया। राज्य द्वारा भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू होने के पश्चात् ही कार्य को आगे बढ़ाया जा सकता है।

अब, भारत सरकार के अनुरोध पर, केरल सरकार ने भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू कर दी है और अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन परियोजना का कार्य आगे बढ़ा है। रेल मंत्रालय केरल सरकार के साथ भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का अनुसरण कर रही है।

<u>केरल:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। अंगमालि-सबरीमाला सहित केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	3,042 करोड़ रुपए (8 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, केरल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 266 किलोमीटर लंबी और ₹9,415 करोड़ लागत वाली 06 परियोजनाएँ (02 नई लाइन और 04 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	शेष लंबाई जिसे पूरा किया जाना है	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	02	146 कि.मी.	0 कि.मी.	146 कि.मी.	309
दोहरीकरण/बहुपथन	04	120 कि.मी.	26 कि.मी.	94 कि.मी.	2,941
कुल	06	266 कि.मी.	26 कि.मी.	240 कि.मी.	3,250

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पोल्लाच्चि-पालघाट और पोल्लाच्चि-कोयम्बतूर आमान परिवर्तन (217 किलोमीटर)	1,360
2	कोल्लम-तिरुनेलवेली-तिरूच्चेंदूर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
3	मुलंतुरुत्ती-कुरूप्पनत्तरा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	303
4	चेंगन्नूर-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	436
5	अम्बलप्पुष़ा-हरिप्पाड दोहरीकरण (18 किलोमीटर)	346
6	कुरूप्पनतरा-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	749

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली शुरू की गई अन्य परियोजनाएं निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिरुन्नावाया-गुरुवायूर नई लाइन (35 कि.मी.)	138
2	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 कि.मी.)	3,801
3	एरणाकुलम-कुम्बलम दोहरीकरण (8 कि.मी.)	595
4	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 कि.मी.)	803
5	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	3,786
6	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 कि.मी.))	367
7	पलक्काड टाउन - परली बाईपास लाइन (2 कि.मी.)	164
8	अलप्पुष़ा-अम्बलप्पुष़ा दोहरीकरण (13 कि.मी.)	324
9	तुरवुर - मारारिक्कुलम दोहरीकरण (21 कि.मी.)	451

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

केरल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	476 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	65 हेक्टेयर (14%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	411 हेक्टेयर (86%)

रेलवे ने केरल सरकार के पास भूमि अधिग्रहण के लिए 1,975 करोड़ रुपए जमा किए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	416	24	392
2.	एरणाकुलम-कुम्बलम कहीं-कहीं दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	4	3	1
3.	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	10	9	1
4.	षोरणूर – वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई अंतिम छोर संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार

- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****